



एच.आई.वी. की लड़ाई में टी.बी. आपकी हार का कारण ना बन जाये।



**जीतना हो अपनों के लिए, तो हार मानने की गुंजाइश नहीं होती। भले ही क्यों न सामने एच.आई.वी.
या टी.बी. आ जाये। इसलिए अगर आपको एच.आई.वी. है तो टी.बी. की जाँच जरूर करवायें।**

- ◆ एच.आई.वी. संक्रमित मरीजों की बीमारियों से लड़ने की कम क्षमता के कारण टी.बी. जैसी बीमारी के संक्रमण की संभावना बढ़ जाती है।
- ◆ सही समय से टी.बी. का इलाज ना हो तो एच.आई.वी. को एड्स में बदल जाने में ज़्यादा वक्त नहीं लगता।
- ◆ एच.आई.वी. संक्रमित होने पर भी टी.बी. का इलाज संभव है। इसलिए आज ही नज़दीकी डी. एम. सी में जाकर टी.बी. की जाँच करवायें।
- ◆ सरकारी अस्पताल में टी.बी. की जाँच मुफ्त और गोपनीय है।

